www.lokeshrawal.worpress.com

Tally Accounting By Loksa Rawal

TALLY ACCOUNTING NOTES

Lokesh Rawal

2017

टैली क्यों?

टैली भारत में फाइनेंसियल मैनेजमेंट सॉफ्टवेर का पर्यायवाची बन गया है. यह सॉफ्टवेयर देश के लगभग हरेक व्यापर में प्रयुक्त होता है.
टैली सभी खाता बही, वाउचर प्रविष्टियों करता है और चालान आदि तैयार करता है

टैली का प्रयोग निम्नलिखित लोगों द्वारा विशेष रूप से किया जाता है.

- मालिक
- बैंक
- ऋणदाता
- ग्राहक
- आपूर्तिकर्ता
- कर्मचारी

टैली क्या है?

Tally.ERP 9 को टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने बनाया है

टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड एक बेंगलुरु स्थित सॉफ्टवेयर कंपनी है . यह भारत में सबसे ज्यादा मान्यता प्राप्त वित्तीय सॉफ्टवेयर है . यह वर्तमान में ब्रिटेन , बांग्लादेश और मध्य पूर्व सहित 100 से अधिक देशों में बेचा जाता है .टैली के सॉफ्टवेयर मुख्य रूप से वाउचर (Voucher) , वित्तीय वक्तव्यों (Financial Statements) , और कई उद्योगों में कराधान (Taxation) के लिए प्रयोग किया जाता है. यह सॉफ्टवेर खुदरा कारोबार के लिए विशेष उपयोगी है. उन्नत क्षमताओं के कारण इसकी उपयोगिता एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग पैकेज में भी पाया जाता हैं .

प्रौद्योगिकी

टैली सॉफ्टवेयर एक एसडीके आवरण (SDK wrapper) के साथ एक कोर मालिकाना इंजन (core proprietary engine) के साथ विकसित किया है . टैली की सहभागिता प्रपत्र और रिपोर्ट्स के अधिकांश टैली परिभाषा भाषा (TDL) का उपयोग कर

विकसित कर रहे हैं . टैली अनुप्रयोग का अनुकूलन TDL एसडीके का उपयोग किया जा सकता है .

1. Tally.ERP 9
1. Tally.Developer 9
1. Shoper 9
1. Tally.Server 9

नेतृत्व

एस एस गोयनका टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक अध्यक्ष थे.भारत गोयनका सह संस्थापक एवं टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक है .इनको नैसकॉम द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया , और CellIT , एक आईटी चैनल पत्रिका द्वारा, एक लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया है .

लेखा के स्वर्ण नियम (Golden Rule of Accountancy in Hindi)

हर लेन - देन दो खातों को प्रभावित करता है. इसीलिए इसे दोहरी प्रविष्टि प्रणाली बहीखाता कहा जाता है.

लेखा के स्वर्ण नियम (Golden Rule of Accountancy)

पर्सनल A/C	रियल A/C	नॉमिनल A/C
डेबिट - प्राप्तकर्ता (पाने वाले) को (Debit The Receiver)	**डेबिट** - जो आता है Debit What Comes In	**डेबिट** - खर्च और हानि Debit All Expenses And Losses
क्रेडिट- दाता (देने वाले) को Credit The Giver	**क्रेडिट** - जो जाता है Credit What Goes Out	**क्रेडिट** - मुनाफा और लाभ Credit All Income And Gains

उदाहरण के लिए मान लीजिये

अप्रैल 1 .

शिवम 50,000 रुपये से व्यापर प्रारंभ करता है.

अप्रैल 2 .

10,000 रुपये बैंक में जमा करता है.

अप्रैल 3 .

20,000 रुपये का सामान खरीदता है.

अप्रैल 4.

1,500 रुपये का सामान बेचता है.

अप्रैल 5.

1,000 रुपये मकान मालिक को किराया देता है.

मार्च 10 .

50 रुपये बैंक ब्याज मिलता है.

इस प्रश्न को बनाने के पहले हमें ये निर्धारित करना होगा कि इन सारे लेन - देन किन खातों के अंतर्गत आते है.

अप्रैल 1 . शिवम 50,000 रुपये से व्यापर प्रारंभ करता है. Capital A/C - Personal A/C के अंतर्गत आता है. (कैपिटल अकाउंट मालिक का अकाउंट होता है.)

Cash A/C - Real A/C के अंतर्गत आता है.

पर्सनल A/C	**रियल A/C**	**नॉमिनल A/C**
डेबिट - प्राप्तकर्ता (पाने वाले) को **Cash**		
क्रेडिट- दाता (देने वाले) को **Capital**		

इसलिए,

Capital A/C - Cr.----------------------50,000
Cash A/C - Dr.----------- 50,000

अप्रैल 2 .
10,000 रुपये बैंक में जमा करता है.

Bank A/C - Personal A/C के अंतर्गत आता है.
Cash A/C - Real A/C के अंतर्गत आता है.

पर्सनल A/C	रियल A/C	नॉमिनल A/C
डेबिट - प्राप्तकर्ता (पाने वाले) को **Bank**		
क्रेडिट- दाता (देने वाले) को **Cash**		

Bank A/C - Dr.----------- 10,000
Cash A/C- Cr.---------------------- 10,000
अप्रैल 3 .20,000 रुपये का सामान खरीदता है.

Purchase A/C - Real A/C के अंतर्गत आता है.
Cash A/C - Real A/C के अंतर्गत आता है.

पर्सनल A/C	रियल A/C	नॉमिनल A/C
	डेबिट - जो आता है **Purchase**	

	क्रेडिट - जो जाता है **Cash**	

इसलिए,

Purchase A/C - Dr.----------- 20,000
Cash A/C - Cr-----------------20,000

प्रैल 4.

1,500 रुपये का सामान बेचता है.

Cash A/C - Real A/C के अंतर्गत आता है.

Sales A/C - Real A/C के अंतर्गत आता है.

पर्सनल A/C	रियल A/C	नॉमिनल A/C
	डेबिट - जो आता है **Cash**	
	क्रेडिट - जो जाता है **Sales**	

इसलिए,

Cash A/C - Dr.----------- 1,500

Sales A/C - Cr.---------------------- 1,500

अप्रैल 4.

1,000 रुपये मकान मालिक को किराया देता है.

Cash A/C - Real A/C के अंतर्गत आता है.
Rent A/C - Nominal A/C के अंतर्गत आता है.

पर्सनल A/C	रियल A/C	नॉमिनल A/C
		डेबिट - खर्च और हानि **Rent**
	क्रेडिट - जो जाता है **Cash**	

इसलिए,
Rent A/C -   Dr.----------- 1,000
Cash A/C - Cr.---------------------- 1,000

मार्च   10 .
50 रुपये बैंक ब्याज मिलता है.

Cash A/C - Real A/C के अंतर्गत आता है.
Rent A/C - Nominal A/C के अंतर्गत आता है.

पर्सनल A/C	रियल A/C	नॉमिनल A/C
	डेबिट - जो आता है **Cash**	

		क्रेडिट - मुनाफा और लाभ **Interest**

इसलिए,

Cash A/C - Dr.----------------------- 50
Interest A/C - Cr.----------- 50

हम इस प्रश्न का जर्नल एंट्री करते है.

अप्रैल 1 . शिवम 50,000 रुपये से व्यापर प्रारंभ करता है.
अप्रैल 2 . 10,000 रुपये बैंक में जमा करता है.
अप्रैल 3 . 20,000 रुपये का सामान खरीदता है.
अप्रैल 4. 1,500 रुपये का सामान बेचता है.
अप्रैल 5. 1,000 रुपये मकान मालिक को किराया देता है.
मार्च 10 . 50 रुपये बैंक ब्याज मिलता है.

Date	**Particular**	**Dr.**	**Cr.**
April, 1	Cash A/C Capital A/C	50,000	50,000
April, 2	Bank A/C Cash A/C	10,000	10,000
April, 3	Purchase A/C Cash A/C	20,000	20,000
April, 4	Cash A/C Sales A/C	1,500	1,500
April, 5	Rent A/C Cash A/C	1,000	1,000
March, 10	Cash A/C Interest A/C	50	50

मूल रूप से तीन प्रकार के खातों का उपयोग लेनदेन के लिए किया जाता है.

1. व्यक्तिगत खाता (Personal Accounts)
2. वास्तविक खाता (Real Accounts)
3. आय - व्यय खाता (Nominal Accounts)

व्यक्तिगत खाता : यह खाता व्यक्ति या निजी खातों से सम्बंधित है. उदाहरण के लिए

- व्यक्ति (Person)
- बैंक (Bank)
- आपूर्तिकर्ता (Suppliers)
- ग्राहक (Customers)
- लेनदारों (Creditors)
- फर्म (Firm)
- पूंजी (Capital)

वास्तविक खाता: वास्तविक खाता व्यापार के स्वामित्व और संपत्ति से संबंधित लेखा हैं. वास्तविक खातों मूर्त और अमूर्त खातों में शामिल हैं. उदाहरण के लिए

- भूमि (Land)
- भवन (Building)
- नकद (Cash)
- खरीद (Purchase)
- बिक्री (Sale)
- फर्नीचर (Furniture)
- स्टॉक (Stock)
- पेटेंट (Patent)
- गुडविल (Goodwill)

आय - व्यय खाता आय, खर्च, लाभ और नुकसान से संबंधित हैं. उदाहरण के लिए

- वेतन (Salary)
- कमीशन (Commission)
- रेंट (Rent)

• प्रकाश (Electricity)
• बीमा (Insurance)
• आय (Income)
• व्यय (Expenditure)
• लाभांश खाता (Dividend)

लेखा को मोटे तौर पर निम्नलिखित चार समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है.

1. संपत्ति (Assets)
2. देयताएं (Liabilities)
3. आय (Income)
4. व्यय (Expenditure)

लेखांकन के सिद्धान्त , अवधारणा और कन्वेंशन

1. राजस्व प्राप्ति (Revenue Realization)

जिस तारीख को राजस्व अर्जित किया जाता है उसी तारीख को आय प्राप्ति माना जाता है. इस अवधारणा के अनुसार, अनर्जित राजस्व खाते में नहीं लिया जाता है.
यह अवधारणा एक लेखा अवधि से संबंधित आय का निर्धारण करने के लिए महत्वपूर्ण है. यह आय और मुनाफा बढ़ाने की संभावनाओं को कम कर देता है.

2. अनुरूपता की अवधारणा (Matching Concept)

इस अवधारणा के अनुसार , एक लेख अवधि में जितने राजस्व की प्राप्ति होती है उसमें से राजस्व प्राप्ति के लिए किये गए खर्च को घटा दिया जाता है.

लाभ(Profit) = आय (Income) - खर्च (Expenditure)
इसी लाभ को मालिकों में बांटा जाता है.

3. बढ़ोतरी (एक्रुअल Accrual)-इस नियम में जिस तारीख को लेनदेन किया जाता है उसी तारीख को रिकॉर्ड किया जाता है.
उदाहरण के लिए मान लीजिये 25 तारीख को 10,000 का सामान बिक्री किया गया. इस 10000 बिक्री का पेमेंट 30 तारीख को मिला .

इस स्थिति में भी बिक्री 10 तारीख को ही रिकॉर्ड किया जायेगा।

4. चलायमान (Going Concern)-इस अवधारणा के अनुसार व्यापार कम से कम 12 महीने तक चलता रहेगा।

5. लेखांकन अवधि (Accounting Period)यह वह अवधि है जिसमें लाभ या हानि की गणना की जाती है. यह 12 महीने या 6 महीने या 3 महीने का भी हो सकता है.

6. लेखा इकाई Accounting Entity इस धारणा के अनुसार, एक व्यापार एक इकाई होता है तो अपने मालिकों, लेनदारों और दूसरों अलग माना जाता है. उदाहरण के लिए, एकमात्र मालिक वाले व्यापर में भी , मालिक अलग है और व्यापर अलग. अगर मालिक व्यापर को पैसा देता है तो व्यापार उसको क्रेडिट करेगा और अगर मालिक पैसा लेता है तो उसे डेबिट करेगा.

7 . मनी मापन (Money Measurement)लेखांकन में, केवल व्यापार लेनदेन और वित्तीय प्रकृति की घटनाओं को दर्ज करते हैं. जिस लेनदेन को पैसे के मामले में व्यक्त किया जा सकता है केवल उसी लेनदेन को दर्ज करते हैं.

दोहरी प्रविष्टि पद्धति (Double Entry System of Book Keeping)

दोहरी प्रविष्टि पद्धति के अनुसार, खातों में दर्ज सभी व्यावसायिक लेनदेन के दो पहलू हैं - डेबिट पहलू(प्राप्ति) और क्रेडिट पहलू (दे). उदाहरण के लिए, एक व्यापार (Assets) परिसंपत्ति (प्राप्ति) काअधिग्रहण और इसके लिए (cash) नकद (दे) का भुगतान करती है.

बही की दोहरी प्रविष्टि प्रणाली की निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

- हर व्यापार लेनदेन के दो खातों को प्रभावित करता है
- प्रत्येक लेन - देन के दो पहलुहैं, डेबिट और क्रेडिट।
- सभी व्यावसायिक लेनदेन का पूरा रिकार्ड रखता है
- एक अवधि के दौरान लाभ या नुकसान का पता लगाने में मदद करता है
- बैलेंस शीट बनाने में मदद करता है

• व्यवस्थित और वैज्ञानिक पद्धति से रिकॉर्डिंग करने के कारण धोखाधड़ी की संभावनाओं को कम करता है.

लेखांकन का तरीका (Mode of Accounting)

लेखा प्रक्रिया खातों में लेनदेन की पहचान करने और रिकॉर्डिंग के साथ शुरू होता है, लेखा प्रक्रिया मेंपहला कदम लेखा बहियों में लेनदेन की रिकॉर्डिंग है. लेखा में केवल उन लेनदेन को शामिल कियाजाता है जिसमें धन शामिल है. इन्हें विभिन्न स्रोतों के द्वारा प्राप्त दस्तावेजों के आधार परक्रमबद्ध किया जाता है. निम्नलिखित सबसे आम स्रोत दस्तावेज हैं.

- कैश मेमो (Cash Memo)
- चालान या बिल (Invoice or Bill)
- वाउचर (Voucher)
- रसीद (Receipt)
- डेबिट नोट (Debit Note)
- क्रेडिट नोट (Credit Note)

कैश मेमो (Cash Memo)

यह नकद बिक्री के लिए एक भुगतान बिल है.

वाउचर (Voucher)

यह व्यापार लेनदेन से सम्बंधित एक दस्तावेज है.

रसीद (Receipt)

जब व्यापारी अपने द्वारा बेची गई वस्तुओं के एवज में ग्राहक से नकदी प्राप्त करता है तोवह ग्राहक के नाम से एक रसीद जारी करता है. इस रसीद में राशि का विवरण और तारीख लिखारहता है.

चालान या बिल (Invoice or Bill)

जब एक व्यापारी एक खरीदार को माल बेचता है तो वह खरीददार का नाम और खरीदार का पता,सामान का नाम, राशि और भुगतान की परिस्थिति युक्त एक बिक्री चालान तैयार करता है.

इसी तरह, जब व्यापारी क्रेडिट पर माल खरीदता है तब इस तरह के सामान के आपूर्तिकर्ता से एक / चालान बिल प्राप्त करता है.

जर्नल्स (Journals)

एक जर्नल सभी व्यावसायिक लेनदेन का एक कालानुक्रमिक क्रम में प्रवेश जो एक रिकॉर्ड है. किसीएक व्यावसायिक लेन - देन का एक रिकॉर्ड एक जर्नल प्रविष्टि कहा जाता है. हर जर्नल प्रविष्टिसंबंधित लेन - देन के साक्ष्य, एक वाउचर द्वारा समर्थित होता है.

खाता (Account)

एक खाता किसी खास संपत्ति, दायित्व, व्यय या आय को प्रभावित करने वाले लेनदेन सेसम्बंधित एक बयान है.

लेजर (Ledger)

एक लेजर सभी खातों के लिए होता है चाहे वो व्यक्तिगत (personal), असली (Real) या नाममात्र (Nominal) खाता हो.

पोस्टिंग (Posting)

पोस्टिंग एक ही जगह पर सभी खातों से संबंधित लेनदेन को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया है.

लेखांकन अवधि (Accounting Period)

आम तौर पर, लेखांकन अवधी एक साल का होता है. यह त्रिमासिक भी हो सकता है.

शेष - परीक्षण (Trial Balance)

दोहरी प्रविष्टि प्रणाली के नियमों के अनुसार, हर डेबिट का एक इसी राशि का क्रेडिट होनी चाहिए, डेबिट शेष राशि और क्रेडिट शेष को बराबर होना चाहिए. शेष प्रशिक्षण के लिए निम्नलिखित का उपयोग किया जाता है.

- खाता नाम (Account Name)
- डेबिट शेष राशि (Debit Balance)
- क्रेडिट शेष राशि (Credit Balance)

Creating a Company in Tally (टैली में एक कंपनी बनाना)

टैली में एक कंपनी बनाना

1. Tally 9 स्टार्ट करना।

टैली को निम्नलिखित तरीके से शुरू किया जा सकता है.

क्लिक कीजिये
Start > Programs > Tally 9 > Tally 9.

या डबल क्लिक डेस्कटॉप पर बने Tally 9 आइकॉन पर.

जैसे ही टैली शुरु होने लगेगा एक वेलकम स्क्रीन आयेगा।

टैली का स्क्रीन इस प्रकार से दिखेगा।

2. Tally 9 से बाहर आना

टैली 9 से बाहर आने के लिए Esc **बटन दबाइए। आपको** Quit? Yes or No ?

Y बटन को दबाइए या Yes पर क्लिक किजिये. आप टैली से बहार आ जायेंगे।

3. Tally 9 में कंपनी बनाना।

टैली समझने के लिए सबसे पहले कंपनी बनाना अतिआवश्यक है.

टैली शुरू कीजिये और
Gateway of Tally > Company Info. > Create Company जाते हुये कंपनी बनाइये।

कंपनी बनाने का स्क्रीन (Company Creation screen) इस प्रकार दिखेगा।

अब दिए गए जानकारी के अनुसार भरिये.

Name
यह कंपनी का नाम बताता है.

Mailing Name
इसमें इंटर करके आगे आ जाइये।

Address
कंपनी का पता भरिये.

Statutory Compliance for
India भरिये.

State
अपना राज्य भरिये.

Pin Code
कंपनी का पिन कोड भरिये.

Telephone No.
टेलीफोन नंबर भरिये. अगर नहीं है तो छोड़ दीजिए।

E- Mail
कंपनी का ईमेल भरिये.

Currency Symbol
इसमें **Rs. भरिये.**

Maintain
इसमें **Accounts with Inventory सेलेक्ट कीजिये।**

Financial Year From
इसमें कोई भी वित्तीय वर्ष भरिये. अगर आप 1-4-2013 भरते हैं तो आपका वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2014 होगा।

Books Beginning From
इसमें कोई बदलाव मत किजिये.

TallyVault Password
इसमें कोई बदलाव मत किजिये.

Use Security Control
इसमें कोई बदलाव मत किजिये.

उदाहरण के लिए हम
शिवम् कंप्यूटर नाम का एक कंपनी बनाते हैं।

नीचे दिए गए स्क्रीन के अनुसार कंपनी बनाइये।

अंत में Y बटन दबा कर कम्पनी बना लिजिये. जैसे ही आप y स्वीकार करेंगे

The Gateway of Tally screen नीचे वाले स्क्रीन के अनुसार खुलेगा .

4. कंपनी को बंद करना

Gateway of Tally > Alt + F3 > Company Info. > Shut Company.
या
Alt + F1 को एकसाथ दबाकर भी कंपनी को बंद किया जा सकता है.

5. कंपनी में बदलाव करना

Gateway of Tally > Alt + F3 > Company Info. > Alter.
लिस्ट में से कंपनी को सेलेक्ट कीजिये जिसमें आपको बदलाव करना है. इंटर किजिये. आवश्यकता के अनुसार बदलाव कीजिये और एक्सेप्ट करके बाहर निकल जाइये।

6. कंपनी को मिटाना (Delete करना)

लिस्ट में से कंपनी को सेलेक्ट कीजिये जिसको आपको डिलीट करना है. इंटर किजिये. Alt + D एकसाथ दबाइये। इंटर या Y दबाइये। बस आपका कंपनी डिलीट हो गया.

लेखा-बही बनाना (Creating Ledger)

हम निम्नलिखित प्रश्न का लेजर इंट्री करते हैं।

शिवम कंप्यूटर के लेनदेन का विवरण (Transaction Details of Shivam Computer)

1-Apr
5,00,000 रुपये के साथ शिवम कंप्यूटर शुरू होता है। 1,00,000 रुपये के साथभारतीय स्टेट बैंक में एक बैंक खाता खोलता है।
2-Apr 30,000 का फर्नीचर और 25,000 का मशीनरी खरीदा।
3-Apr 2,00,000 रुपये का सामान खरीदा।

4-Apr 25,000 रुपये का सामान बेचा।

5-Apr 50,000 रुपये के साथ IDBI बैंक में एक बैंक खाता खोलता है।

6-Apr 25,000 का सामान Micro Computer से खरीदता है।

7-Apr 33,000 का सामान Rajesh को बेचता है।

8-Apr

25,000 का कंप्यूटर अपने व्यवसाय के लिए खरीदता है। SBI चेक के द्वाराभुगतान करता है।

9-Apr 20,000 रुपये का भुगतान Micro Computer को IDBI चेक द्वारा करता है।

10-Apr 32,500 रुपये नगद राजेश से प्राप्त करता है। उसे 500 रुपये का छूट देता है।

11-Apr 50,000 का सामान Computer World से उधार में खरीदता है।

12-Apr 30,000 का सामान Rajendra को उधार में बेचता है।

13-Apr 5,000 का सामान Computer World को वापस करता है और SBI चेक द्वाराउसका बाकी पैसा देता है।

14-Apr 15,000 का सामान Micro Computer से खरीदकर Raj Computer को 16,500में बेचता है।

15-Apr 500 का सामान Raj Computers वापस करता है जिसे Micro Computer कोवापस कर दिया जाता है।

16-Apr 25,000 SBI में और 10,000 IDBI में जमा करता है।

17-Apr 10,000 का सामान खरीदता है।

18-Apr 6,000 का सामान Digital Computer को नगद में बेचता है।

19-Apr 14,500 का चेक Raj Computers देता है जिसे IDBI बैंक में जमा किया जाता है।

20-Apr 10,000 का सामान नगद खरीदकर 11,500 नगद में बेचता है।

21-Apr 5,000 IDBI बैंक से मालिक के खुद के उपयोग के लिए निकालता है।

22-Apr 10,000 Micro Computer को SBI चेक द्वारा भुगतान करता है।

23-Apr 5,000 का Printer ऑफिस उपयोग के लिए खरीदता है।

24-Apr 20,000 का सामान Micro Computer से खरीदता है। 15,000 का नगद भुगतानकरता है।

25-Apr 1,000 का Telephone Bill IDBI चेक द्वारा भुगतान करता है।

26-Apr 1,500 जा Electricity Bill का भुगतान SBI चेक द्वारा करता है।

27-Apr 25,000 का सामान बेचता है।

28-Apr 45,000 का सामान Ranjan Infotech से खरीदता है और उसे 25,000 देता है।

29-Apr 27,000 का सामान Infotech Computer को बेचता है.

30-Apr 10,000 ऑफिस का किराया और 15,000 वेतन का भुगतान करता है।

अब हम इस सवाल को बनाते हैं।

सबसे पहले हम पता करेंगे की इसमें से कौन कौन सा लेजर बनाने लायक है और लेजर किस अकाउंट के अधीन आता है।

Cash A /C पहले से ही बना होता है , इसलिए इसे बनाने की जरुरत नहीं है।

1 अप्रैल को मालिक द्वारा 5,00,000 से बिज़नेस शुरू किया जा रहा है। इसका मतलब बिज़नेस का कैपिटल 5,00,000 रुपये है। इसीलिए हमें एक कैपिटल का लेजर बनाना होगा।

जैसे ही हम टैली खोलेंगे , नीचे वाला स्क्रीन आ जायेगा।

अकाउंट इन्फो पर हम इंटर करके आगे के स्क्रीन पर जायेंगे जो नीचे के स्क्रीन जैसा दिखेगा।

लेजर पर इंटर करने के बाद नीचे वाला स्क्रीन आयेगा।

फिर इंटर करने पर लेजर बनाने का स्क्रीन आयेगा। इसी स्क्रीन में हम लेजर बनायेंगे।

अब हम कैपिटल का लेजर बनायेंगे जो की कैपिटल अकाउंट के under रहेगा। Opening Balance में हम 5,00,000 डालेंगे। स्क्रीन नीचे के स्क्रीन जैसा दिखाई देगा।

Enter या Y बटन दबाकर Accept कर लीजिए।

इसी तरह से अन्य लेजार भी बनाइये।

ऊपर दिए गए प्रश्न में निम्नलिखित लेजर बनेंगे।

LEDGER NAME	UNDER
CAPITAL	CAPITAL A/C
SBI	BANK A/C
FURNITURE	FIXED ASSETS A/C
MACHINERY	FIXED ASSETS A/C
PURCHASE	PURCHASE A/C
SALES	SALES A/C
IDBI	BANK A/C
MICRO COMPUTER	SUNDRY CREDITOR A/C
RAJESH	SUNDRY DEBTOR A/C
COMPUTER FOR OFFICE USE	FIXED ASSETS A/C
DISCOUNT ALLOWED	INDIRECT EXPENSES A/C
COMPUTER WORLD	SUNDRY CREDITOR A/C
RAJENDRA	SUNDRY DEBTOR A/C
RAJ COMPUTER	SUNDRY DEBTOR A/C
RETURN INWARD	SALES A/C
RETURN OUTWARD	PURCHASE A/C
DIGITAL COMPUTER	SUNDRY DEBTOR A/C
DRAWING	CURRENT ASSETS A/C
PRINTER FOR OFFICE USE	FIXED ASSETS A/C
TELEPHONE BILL	INDIRECT EXPENSES A/C
ELECTRICITY BILL	INDIRECT EXPENSES A/C
RANJAN INFOTECH	SUNDRY CREDITORS A/C
INFOTECH COMPUTER	SUNDRY DEBTOR A/C
OFFICE RENT	INDIRECT EXPENSES A/C
SALARY	INDIRECT EXPENSES A/C

स्टॉक समूह बनाना Creating Stock Groups

स्टॉक समूह (Stock Group) स्टॉक में रखी हुई एक ही प्रकार के अलग-अलग वस्तुओं को पहचानने में मदद करता है। उदाहरण के लिए टेलीविज़न के स्टॉक ग्रुप में अलग-अलग ब्रांड का टेलीविज़न रखा जा सकता है।

टेलीविज़न (स्टॉक ग्रुप)------- LG TV, SAMSUNG TV, SONY TV (स्टॉक आइटम)

Stock Group

1. Televisions (main stock group)
- LG TV – stock group under Television
- Panasonic TV – stock group under Television
- Sony TV – stock group under Television

2. **Fridge** (main stock group)
- Videocon Fridge – Stock Group under Fridge
- Sony Fridge – Stock Group under Fridge
- Whirlpool Fridge – Stock Group under Fridge

3 . **Washing Machine** (main stock group)
- LG Washing Machine – Stock Group under Washing Machine
- Samsung Washing Machine – Stock Group under Washing Machine

Sony Washing Machine – Stock Group under Washing Machine

STOCK ITEM	STOCK GROUP
LG TV	TELEVISION
PANASONIC TV	TELEVISION
SONY TV	TELEVISION
SONY FRIDGE	FRIDGE
WHIRLPOOL FRIDGE	FRIDGE
SANSUI FRIDGE	FRIDGE
LG WASHING MACHINE	WASHING MACHINE
SAMSUNG WASHING MACHINE	WASHING MACHINE
SONY WASHING MACHINE	WASHING MACHINE

Stock Group बनाना

नीचे दिए गए स्क्रीन के अनुसार स्टॉक ग्रुप बनाइये।

Gateway of Tally > Inventory Info. > Stock Groups > Single Stock Group > Create

टेलीविज़न को प्राइमरी के अंडर में बनाइये।

Y या एंटर दबाकर एक्सेप्ट कीजिये।
टेलीविज़न का स्टॉक ग्रुप बन गया।

अब LG TV को टेलीविज़न के अंडर में बनाइये।

Y या एंटर दबाकर एक्सेप्ट कीजिये।
LG TV का स्टॉक ग्रुप टेलीविज़न के अंडर में बन गया।
इसी प्रकार से हम पैनासोनिक और सोनी का भी स्टॉक ग्रुप टेलीविज़न के अंडर में बनायेंगे।

फ्रिज और वाशिंग मशीन को हम प्राइमरी के अंडर में बनायेंगे। ऊपर दिए गये निर्देशों के अनुसार बाकी का भी स्टॉक ग्रुप बना लेंगे।

स्टॉक श्रेणी बनाना Creating Stock Category

स्टॉक श्रेणी भी स्टॉक ग्रुप कि तरह एक सामानांतर वर्गीकरण प्रदान करता है। स्टॉक समूह की तरह, स्टॉक श्रेणियों को भी कुछ विशेष व्यवहार के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।

NAME	UNDER	CATEGORY
LG 20 IN TV	LG TV	20 INCHES
LG 22 IN TV	LG TV	22 INCHES
LG 28 IN TV	LG TV	28 INCHES
LG 32 IN TV	LG TV	32 INCHES
PANASONIC 20 IN TV	PANASONIC TV	20 INCHES
PANASONIC 22 IN TV	PANASONIC TV	22 INCHES
PANASONIC 28 IN TV	PANASONIC TV	28 INCHES
PANASONIC 32 IN TV	PANASONIC TV	32 INCHES
SONY 20 IN TV	SONY TV	20 INCHES
SONY 22 IN TV	SONY TV	22 INCHES
SONY 28 IN TV	SONY TV	28 INCHES
SONY 32 IN TV	SONY TV	32 INCHES

ऊपर के लिस्ट में टेलीविज़न को 20 inches, 22 inches, 28 inches और 32 inches से वर्गीकृत किया गया।

Gateway of Tally > Inventory Info > F11 > Inventory Features > Shivam Electronics >
जाने के बाद इंटर बटन प्रेस कीजिये।

सबसे पहले गेटवे ऑफ़ टैली में जाइये। Inventory Info. को सेलेक्ट करके एंटर कीजिये।

नीचे जैसा स्क्रीन आएगा। इसमें आप देखेंगे कि स्टॉक कटेगरी हाइलाइटेड नहीं है।

स्टॉक कटेगरी को हाइलाइटेड करने के लिए F 11 बटन को प्रेस करेंगे। उसके बाद नीचे वाला स्क्रीन आएगा। इसमें हम Inventory Features को सेलेक्ट करेंगे।

Inventory Feature पर एंटर करने के बाद हमें नीचे जैसा स्क्रीन आएगा। अब हम जिस कम्पनी में स्टॉक कटेगरी बनाना चाहते हैं उसे सेलेक्ट कर लेंगे। यहाँ पर हम शिवम् इलेक्ट्रॉनिक्स का उदाहरण लेकर काम कर रहे हैं इसलिए शिवम् इलेक्ट्रॉनिक्स को सेलेक्ट करके एंटर प्रेस करेंगे।

अब नीचे जैसा स्क्रीन आएगा। इसमे Maintain Stock Category को Yes कर देंगे। एंटर करते हुए इस स्क्रीन से बाहर आ जायेंगे।

जब आप Esc बटन प्रेस कर पुनः इन्वेंटरी इंफो स्क्रीन पर आयेंगे तो स्टॉक कटेगरी हाईलाइट हो जायेगा।

अब स्टॉक कटेगरी को सेलेक्ट कर एंटर प्रेस कीजिये। नीचे के स्क्रीन के जैसा स्टॉक कटेगरी बनाने का स्क्रीन आ जायेगा।

नीचे स्क्रीन पर दिए गए जानकारी के अनुसार स्टॉक कटेगरी बनाइये।
एंटर या Y प्रेस कर स्टॉक कटेगरी बनाइये।

इसी प्रकार से अन्य स्टॉक कटेगरी बनाइये।

माप की इकाइयों को बनाना Creating Units of Measure

स्टॉक आइटम मुख्य रूप से मात्रा के आधार खरीदा और बेचा जाता है। मात्रा को इकाइयों द्वारा मापा जाता है. इसीलिए माप कि इकाइयों को बनाना आवश्यक है. माप की इकाइयां या तो साधारण हो सकती हैं या मिश्रित।
सरल इकाइयों के उदाहरण हैं: nos., metres, kilograms, pieces इत्यादि।
मिश्रित इकाइयों के उदाहरण हैं : a box of 10 pieces इत्यादि।

Units of Measure बनाने के लिए इस प्रकार जाइये।

Gateway of Tally > **Inventory Info.** > **Units of Measure** > **Create**.

गेटवे ऑफ़ टैली के इन्वेंटरी स्क्रीन पर एंटर करने के बाद नीचे वाला स्क्रीन आएगा।

अब आप स्टॉक आइटम पर जाइये।

एंटर करने के बाद नीचे का स्क्रीन आएगा। यह सिंपल यूनिट बनाने का स्क्रीन है।

नीचे दिए गए स्क्रीन के अनुसार डिटेल भरिये और एंटर प्रेस कर एक्सेप्ट कीजिये।

कंपाउंड यूनिट बनाने के लिए फिर से इन्वेंटरी इंफो में जाकर यूनिट क्रिएशन में जाइये।
पैक का pk एक सिंपल यूनिट बनाइये।

बैकस्पेस प्रेस करके सिंपल या कंपाउंड में से कंपाउंड को सेलेक्ट कीजिये।

नीचे दिए गए स्क्रीन के अनुसार इनफार्मेशन भरिये।

स्क्रीन को एक्सेप्ट कीजिये।

इसी प्रकार से अन्य यूनिट भी बनाइये।

स्टॉक आइटम बनाना (Stock Item Creation)

स्टॉक आइटम

स्टॉक आइटम वह सामान है जिसका आप निर्माण या व्यापार (खरीद-बिक्री) करते हैं। यह प्राथमिक इकाई (Primary Unit) है। स्टॉक आइटम का लेखांकन में लेनदेन के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

स्टॉक आइटम बनाने के लिए सबसे पहले आप स्टॉक आइटम पर जाकर एंटर कीजिये।

नीचे जैसा स्क्रीन एक ब्लैंक स्क्रीन खुलेगा।

नीचे दी गई जानकारी के अनुसार इनफार्मेशन भरिये।

एंटर करके एक्सेप्ट कीजिये।
आपका एक स्टॉक आइटम LG 20 INCHES TV का बन गया।
चूकि LG 20 INCHES TV आइटम LG TV के अंडर आता है इसीलिए इसको इस तरह से बनाया गया है।

इसी प्रकार से अन्य स्टॉक आइटम भी बनाइये।

VOUCHERS IN TALLY ERP 9

लेखा वाउचर वित्तीय लेन - देन का विवरण युक्त दस्तावेज है। टैली ERP 9 में मुख्य रूप से निम्नलिखित वाउचर का उपयोग किया जाता है।

- कॉन्ट्रा वाउचर - Contra Voucher (F4)
- भुगतान वाउचर - Payment Voucher (F5)
- रसीद वाउचर - Receipt Voucher (F6)
- जर्नल वाउचर - Journal Voucher (F7)
- बिक्री वाउचर / चालान - Sales Voucher /Invoice (F8)
- क्रेडिट नोट वाउचर - Credit Note Voucher (CTRL+ F8)
- खरीद वाउचर - Purchase Voucher (F9)
- डेबिट नोट वाउचर - Debit Note Voucher (CTRL+ F9)

- रिवर्सिंग जर्नल्स - Reversing Journals (F10)
- मेमो वाउचर - Memo voucher (CTRL+ F10)

इसके अलावे भी कुछ वाउचर हम आवश्यकतानुसार अपनी तरफ से बना सकते है।

लेखांकन (Accounting) के नियम के अनुसार,

कॉन्ट्रा वाउचर में सिर्फ उसी लेनदेन (transaction) का जिक्र किया जाता है जिसमें कैश अकांउट और बैंक अकांउट शामिल होता है। जैसे:

कैश एकाउंट से बैंक एकाउंट
बैंक एकाउंट से कैश एकाउंट
बैंक एकाउंट से बैंक एकाउंट

भुगतान वाउचर :
इसमें उन भुगतानों का जिक्र होता है जिसका हम बैंक या कैश के द्वारा करते हैं।

रसीद वाउचर :
इसका उपयोग कैश या बैंक एकाउंट में प्राप्ति को रिकॉर्ड करने के लिए होता है।

जर्नल वाउचर :
इसका उपयोग दो लेजर के बीच में एडजस्टमेंट के लिए किया जाता है।

बिक्री वाउचर / चालान

इसका उपयोग सभी कैश या क्रेडिट बिक्री के लिए किया जाता है।

क्रेडिट नोट वाउचर

इसका उपयोग विक्रय वापसी (sales return) में किया जाता है। जब बिका हुआ माल वापस आता है तो हम खरीददार /कस्टमर को क्रेडिट नोट देते हैं। बिज़नेस में वापस किये हुए माल के बदले में कैश भुगतान बहुत ही कम होता है।

खरीद वाउचर

इसका उपयोग खरीद से संबंधित (कैश या क्रेडिट) सभी प्रकार में किया जाता है।

डेबिट नोट वाउचर

इसका उपयोग क्रय वापसी (purchase return) में किया जाता है।

अब हम वाउचर एंट्री का उपयोग नीचे के उदाहरण के लिए करेंगे।

शिवम कंप्यूटर के लेनदेन का विवरण (Transaction Details of Shivam Computer)

1-Apr
10,00,000 रुपये के साथ शिवम कंप्यूटर शुरू होता है। उसी दिन 100000 से भारतीय स्टेट बैंक में एक बैंक खाता खोलता है।
2-Apr
30,000 का फर्नीचर और 25,000 का मशीनरी खरीदा।
3-Apr
2,00,000 रुपये का सामान खरीदा।
4-Apr
25,000 रुपये का सामान बेचा।
5-Apr
50,000 रुपये के साथ IDBI बैंक में एक बैंक खाता खोलता है।
6-Apr
25,000 का सामान Micro Computer से खरीदता है।
7-Apr
33,000 का सामान Rajesh को बेचता है।
8-Apr
25,000 का कंप्यूटर अपने व्यवसाय के लिए खरीदता हैऔर SBI चेक के द्वारा भुगतान करता है।
9-Apr
20,000 रुपये का भुगतान Micro Computer को IDBI चेक द्वारा करता है।
10-Apr
32,500 रुपये नगद राजेश देता है। राजेश को 500 रुपये का छूट देता है।
11-Apr
50,000 का सामान Computer World से उधार में खरीदता है।
12-Apr
30,000 का सामान Rajendra को उधार में बेचता है।
13-Apr
5,000 का सामान Computer World को वापस करता है और SBI चेक द्वारा उसका बचा बकाया देता है।
14-Apr
15,000 का सामान Micro Computer से खरीदकर Raj Computer को 16,500 में बेचता है।
15-Apr
500 का सामान Raj Computers वापस करता है जिसे Micro Computer को वापस कर दिया जाता है।
16-Apr
25,000 SBI में और 10,000 IDBI में जमा करता है।
17-Apr

10,000 का सामान खरीदता है।
18-Apr
6,000 का सामान Digital Computer को नगद में बेचता है।
19-Apr
14,500 का चेक Raj Computers देता है जिसे IDBI बैंक में जमा किया जाता है।
20-Apr
10,000 का सामान नगद खरीदकर 11,500 नगद में बेचता है।
21-Apr
5,000 IDBI बैंक से मालिक के खुद के उपयोग के लिए निकालता है।
22-Apr
10,000 Micro Computer को SBI चेक द्वारा भुगतान करता है।
23-Apr
5,000 का Printer ऑफिस उपयोग के लिए खरीदता है।
24-Apr
20,000 का सामान Micro Computer से खरीदता है 15,000 का नगद भुगतान करता है।
25-Apr
1,000 का Telephone Bill IDBI चेक द्वारा भुगतान करता है।
26-Apr
1,500 जा Electricity Bill का भुगतान SBI चेक द्वारा करता है।
27-Apr
25,000 का सामान बेचता है।
28-Apr
45,000 का सामान Ranjan Infotech से खरीदता है और उसे 25,000 देता है।
29-Apr
27,000 का सामान Infotech Computer को बेचता है.
30-Apr
10,000 ऑफिस का किराया और 15,000 वेतन का भुगतान करता है।

वाउचर एंट्री

1-Apr
10,00,000 रुपये के साथ शिवम कंप्यूटर शुरू होता है। उसी दिन 100000
से भारतीय स्टेट बैंक में एक बैंक खाता खोलता है।

2-Apr
30,000 का फर्नीचर और 25,000 का मशीनरी खरीदा।

3-Apr
2,00,000 रुपये का सामान खरीदा।

4-Apr
25,000 रुपये का सामान बेचा।

5-Apr
50,000 रुपये के साथ IDBI बैंक में एक बैंक खाता खोलता है।

6-Apr
25,000 का सामान Micro Computer से खरीदता है।

7-Apr
33,000 का सामान Rajesh को बेचता है।
8-Apr
25,000 का कंप्यूटर अपने व्यवसाय के लिए खरीदता हैऔर SBI चेक के द्वारा भुगतान करता है।
9-Apr
20,000 रुपये का भुगतान Micro Computer को IDBI चेक द्वारा करता है।
10-Apr
32,500 रुपये नगद राजेश देता है। राजेश को 500 रुपये का छूट देता है।
11-Apr
50,000 का सामान Computer World से उधार में खरीदता है।
12-Apr
30,000 का सामान Rajendra को उधार में बेचता है।
13-Apr
5,000 का सामान Computer World को वापस करता है और SBI चेक द्वारा उसका बचा बकाया देता है।
14-Apr
15,000 का सामान Micro Computer से खरीदकर Raj Computer को 16,500 में बेचता है।
15-Apr
500 का सामान Raj Computers वापस करता है जिसे Micro Computer को वापस कर दिया जाता है।
16-Apr
25,000 SBI में और 10,000 IDBI में जमा करता है।
17-Apr
10,000 का सामान खरीदता है।
18-Apr
6,000 का सामान Digital Computer को नगद में बेचता है।

19-Apr
14,500 का चेक Raj Computers देता है जिसे IDBI बैंक में जमा किया जाता है।
20-Apr
10,000 का सामान नगद खरीदकर 11,500 नगद में बेचता है।
21-Apr
5,000 IDBI बैंक से मालिक के खुद के उपयोग के लिए निकालता है।
22-Apr
10,000 Micro Computer को SBI चेक द्‌वारा भुगतान करता है।
23-Apr
5,000 का Printer ऑफिस उपयोग के लिए खरीदता है।
24-Apr
20,000 का सामान Micro Computer से खरीदता है 15,000 का नगद भुगतान करता है।
25-Apr
1,000 का Telephone Bill IDBI चेक द्‌वारा भुगतान करता है।
26-Apr
1,500 जा Electricity Bill का भुगतान SBI चेक द्‌वारा करता है।
27-Apr
25,000 का सामान बेचता है।
28-Apr
45,000 का सामान Ranjan Infotech से खरीदता है और उसे 25,000 देता है।
29-Apr
27,000 का सामान Infotech Computer को बेचता है.
30-Apr
10,000 ऑफिस का किराया और 15,000 वेतन का भुगतान करता है।

गोदाम बनाना Creating Godown

गोदाम एक ऐसी जगह है जहाँ पर स्टॉक आइटम को संग्रहित कर रखा जाता है।

गोदाम बनाना (Creating Godown)

सबसे पहले गेटवे ऑफ़ टैली स्क्रीन पर जाइये। इन्वेंटरी इंफो को सेलेक्ट कीजिये। इन्वेंट्री इंफो पर एंटर करने के बाद नीचे का स्क्रीन आयेगा जिसमें गोडाउन दिखाई नहीं देगा।

F 11 को प्रेस कीजिये। नीचे का स्क्रीन खुलेगा।
इसमें आप इन्वेंटरी फीचर को सेलेक्ट कीजिये।

इन्वेंटरी फीचर को एंटर करने के बाद नीचे का स्क्रीन आएगा। इसमें आप MAINTAIN MULTIPLE GODOWNS को YES कीजिये।
एंटर करते जाइये। नीचे का स्क्रीन आएगा।
एंटर करके एक्सेप्ट कीजिये।
आप पुनः कंपनी फीचर स्क्रीन पर आ जायेंगे। ESC बटन प्रेस कर इन्वेंटरी इंफो स्क्रीन पर वापस आइये। अब आप देखेंगे कि यहाँ पर GODOWN दिख रहा है।

GODOWN को सेलेक्ट कीजिये। एंटर कीजिये।
सिंगल गोडाउन के क्रिएट पर एंटर कीजिये। नीचे का स्क्रीन आयेगा।

अब दिये गए स्क्रीन के अनुसार डिटेल्स भरिये।
अंत में एंटर करके एक्सेप्ट कीजिये।
इसी प्रकार से अन्य गोडाउन बनाइये।
धन्यवाद।
मेरी वेबसाइट पर मेरे youtube चेनल की लिंक है तथा मेरे चेनल को आप सब्सक्राइब करे आपको में मेरे चेनल के माध्यम से आपको जानकारी मिलती रहेगी।